बाल मन कैमूर

माह :- जुलाई
वर्ष :- 2022
अंक 7

संपादक :- धीरज कुमार
विद्यालय :- उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ (कैमूर) बिहार

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-dookaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उददेश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) कैमूर
शिक्षा भवन भभुआ कैमूर
[शुभकामना संदेश]

अपार हर्ष के साथ कहना है की सरकारी विद्यालय के प्रतिभावान बच्चो के प्रतिभा को सम्मानित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के सकारात्मक ऊर्जा द्वारा ToB "बाल मन कैमूर" मासिक पत्रिका बच्चो और शिक्षको के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी की तरह है जिसके माध्यम से बच्चो के कलात्मक,रचनात्मक, कल्पनाशीलता सृजनात्मक और बौद्धिक क्षमता के साथ सर्वांगीण विकास हो रहा है।सरकारी विद्यालय के बच्चो ने भी इस पत्रिका के माध्यम से अपने प्रतिभा के परचम को राज्य स्तरीय पटल पर लहराने को प्रेरित किया है।इस नवाचार को अपनाने और बच्चो के लिए समर्पण भाव से कार्य करने के लिए मैं अपने तरफ से इस पत्रिका के संपादक धीरज कुमार और उनके टीम में शामिल सभी शिक्षको का आभार व्यक्त करते हुए बाल मन कैमूर को अपनी शुभकामना देते हुए सरकारी विद्यालय के बच्चो के उज्वल और सुखद भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

शुभकामनाओं सहित।

दयाशंकर सिंह
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
स्थापना कैमूर (भभुआ)।

प्यारे बच्चो

नमस्कार

हम आप सभी के ढेर सारे प्यार और स्नेह के साथ छः महीने का सफर छः मासिक अंको के साथ सफलतापूर्ण बीत गया। हमारी पूरी टीम आप सभी के इस अपनापन के लिए आभारी है।हमे व्हाट्सएप के माध्यम से आपके संदेश प्राप्त हो रहे है।आप सभी इस मासिक पत्रिका को अपने शिक्षको के द्वारा या कई ग्रुप के माध्यम से प्राप्त कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है, जो हमे और भी नया और अच्छा करने की प्रेरणा दे रही है।

पत्रिका के सातवें अंक को प्रकाशित कर आपको समर्पित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।हमारे इस पत्रिका के माध्यम से सरकारी विद्यालय के बच्चो से जुड़ने का नवाचार आप सभी को पसंद आ रहे है।इस पत्रिका की प्रशंसा हमारे कैमूर जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी महोदय सह डीपीओ(स्थापना) महोदय ने भी अपने शुभकामना संदेश द्वारा की है।इसके साथ ही सरकारी विद्यालय के बच्चो में इस पत्रिका के माध्यम से एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

हम आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास करते है की मेरे द्वारा प्रकाशित बाल मन कैमूर पत्रिका आपकी प्रतिभा को केवल जिला स्तर पर ही नही अपितु राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर भी एक अलग पहचान प्राप्त कराएगी।हमारी पूरी कोशिश है की हम बेहतर से भी बेहतर करे। यदि अनजाने में किसी प्रकार की त्रुटि या भूल हुई होगी तो हम उसे सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगे।भूल-चुक के लिए हम क्षमाप्रार्थी है।आपके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।

आपका
धीरज कुमार
U.M.S.सिलौटा भभुआ कैमूर(बिहार)

सहयोगकर्ता सदस्य:-

1. ब्रजेश कुमार (UHS हरदासपुर कुदरा)
2. अवधेश राम (उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहुवरा)
3. अशोक कुमार (NPS भटवलिया नुआंव)
4. खुश्बू कुमारी (UMS दुघरा भभुआ)
5. कुमार राकेश मणि (UMS कोटा नुआंव)
6. रिंकी शर्मा (आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़)
7. गणेश श्रीवास्तव (आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़)
8. अफजल अंसारी (UMS बिठवार भभुआ)
9. कुसुम कुमारी (प्रथिमक विद्यालय गजराढी कुदरा)
10. सुमित पटेल (प्राथमिक विद्यालय कठौरा भभुआ)
11. आभा गोयल (मध्य विद्यालय बरहुली भभुआ)
12. आशा पांडे (मध्य विद्यालय अखलासपुर भभुआ)
13. प्रतिभा कुमारी (UMS गजराढी कुदरा)
14. शशिकांत वर्मा (प्राथमिक विद्यालय रामपुर)
15. महीप शेखर (बालिका उच्च विद्यालय भभुआ)
16. इम्तियाज अंसारी (उच्च विद्यालय भभुआ)
17. अशोक सिंह (NPS खनेठी रामगढ़)
18. रजनीश कुमार पाठक (PS मोहम्मदपुर मोहनियां)
19. राजू कुमार प्रजापति (UMS खजरा मोहनियां)

प्रेरक प्रसंग :- पांच मिनट

एक व्यक्ति को रस्ते में यमराज मिल गये वो व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं सका। यमराज ने पीने के लिए व्यक्ति से पानी माँगा, बिना एक क्षण गवाए उसने पानी पिला दिया। पानी पीने के बाद यमराज ने बताया कि वो उसके प्राण लेने आये हैं लेकिन चूँकि तुमने मेरी प्यास बुझाई है इसलिए मैं तुम्हें अपनी किस्मत बदलने का एक मौका देता हूँ |

यह कहकर यमराज ने एक डायरी देकर उस आदमी से कहा कि तुम्हारे पास 5 मिनट का समय है | इसमें तुम जो भी लिखोगे वही हो जाएगा लेकिन ध्यान रहे केवल 5 मिनट।

उस व्यक्ति ने डायरी खोलकर देखा तो उसने देखा कि पहले पेज पर लिखा था कि उसके पड़ोसी की लॉटरी निकलने वाली है और वह करोड़पति बनने वाला है | उसने वहां लिख दिया कि उसके पड़ोसी की लॉटरी न निकले |

अगले पेज पर लिखा था कि उसका एक दोस्त चुनाव जीतकर मंत्री बनने वाला है, तो उसने लिख दिया कि उसका दोस्त चुनाव हार जाए |

इस तरह, वह पेज पलटता रहा और, अंत में उसे अपना पेज दिखाई दिया | जैसे ही उसने कुछ लिखने के लिए अपना पेन उठाया यमराज ने उस व्यक्ति के हाथ से डायरी ले ली और कहा वत्स तुम्हारा पांच मिनट का समय पूरा हुआ , अब कुछ नहीं हो सकता।

तुमने अपना पूरा समय दूसरों का बुरा करने में व्यतीत दिया और अपना जीवन खतरे में डाल दिया | अंतत: तुम्हारा अंत निश्चित है |

यह सुनकर वह व्यक्ति बहुत पछताया लेकिन सुनहरा मौका उसके हाथ से निकल चुका था |

शिक्षा – प्यारे बच्चो ।ईश्वर ने आपको भी वो महत्वपूर्ण पल दिए है जब आप अपने भविष्य के बारे में,अपने समाज के बारे में सोचे लेकिन हम वो महत्वपूर्ण पल दूसरे की बुराई और नीचा दिखाने में बीता देते है।यदि ईश्वर ने आपको कोई शक्ति प्रदान की है तो कभी किसी का बुरा न सोचे, और न ही बुरा करें | दूसरों का भला करने वाला सदा सुखा रहता है और, ईश्वर की कृपा सदा उस पर बनी रहती है।स्रोत:- सोशल मीडिया

🤔😳अजब - गजब😳🤔

1.चीन के स्कूलों में स्कूल की पढ़ाई के दौरान आधा घंटा सोने की इजाजत दी जाती है।ऐसा माना जाता है की पढ़ाई के दौरान नींद की एक झपकी बच्चो की याददाश्त को बढ़ाता है।

2.घोंघा तीन साल तक सो सकता है।घोंघा को नमी की आवश्यकता होती है नमी ना मिलने के कारण वह 3 साल तक सो सकता है।

3.घरेलू मक्खी से करीब 30 बीमारियां हो सकती हैं।

4.नार्वे देश में सूरज आधी रात में चमकता है।नॉर्वे में मध्य रात्रि को सूर्य उदय इसलिए होता है क्योंकि गर्मियों के महीनों में देश के कुछ हिस्सों में पूरे दिन धूप का अनुभव होता है

5.एक शोध के अनुसार एक वर्ष में मनुष्य करीब 5 हजार 479 बार हंसता है। हंसना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है।

नन्हे कलाकार

आभा कुमारी ,संध्या कुमारी UMS सिलौटा भभुआ

आंचल कुमारी वर्ग 8 UMS गजराढी

निशा कुमारी वर्ग 7 UMS दुघरा

UMS कोटा नुआंव

कन्हैया उपाध्याय मध्य विद्यालय बरहुली

पहेलियां(रोग और हॉस्पिटल विशेष)

1.यह रोग अपाहिज करता है,पैरों से मजबूर।
बच्चो को दो बूंद दवा दे,आप सभी जरूर।।

2.बदलते मौसम से बढ़ जाता शरीर का तापमान।
शरीर में दर्द रहे,कमजोरी में खुद का रखे आप सब ध्यान।।

3.इनके पास हर रोग का है एक उचित समाधान।
धरती पर इनको कहते है दूसरा भगवान।।

4.बहन सभी की बन कर करती अस्पताल में सेवा करती है।
अपने स्नेहिल स्वभाव से रोगी को ख्याल रखती है।।

5.अच्छे-अच्छे डरते है ,इसको देख मुंह अजीब बनती है ।
छोटी है,पतली है पिचकारी सी दिखती है।।

1. पोलियो,2. बुखार,3. डॉक्टर,4. नर्स,5. इंजेक्शन/सुई

🤣🤣चुटकुले😂😂

1.गांव से महेश शहर पढ़ने आया।उसके क्लास एक साथी ने उससे पूछा :-तुम्हारा निकनेम क्या है?

महेश :- हेय.....! वो क्या होता है?

साथी:- मतलब तुम्हे घर पर सब किस नाम से पुकारते है ?
महेश :- कामचोर?🤔😂😂

2.प्रिया और प्रीति बाहर घूमते हुए एक होटल में जाती है।
प्रिया (प्रीति से) :- पिज्जा खाओगी?

प्रीति :- नही, आजकल मैं लाइट खा रही हूं.....

प्रिया (हंसते हुए वेटर से):- भैया मेरे लिए एक पिज्जा ले आइए और इन मैडम के लिए दो एलईडी 💡 बल्ब।😂😂😂

आपके पेंटिग भाग 1

NPS खनेठी रामगढ़

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर मोहनियां

फुरकान आलम उच्च विद्यालय भभुआ

रिफत नाज़ गर्ल्स हाई स्कूल भभुआ

तन्नू कुमारी ,कुलसुम आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़

आपके पेंटिग भाग 2

हेमा शर्मा UMS बिठवार भभुआ

अनिता कुमारी UMS
सिलौटा भभुआ

श्रेयांश सिंह वर्ग 4

UMS दुघरा भभुआ

अदिति कुमारी वर्ग 7 मध्य विद्यालय अखलासपुर

अर्चना यादव वर्ग 8 UHS हरदासपुर कुदरा

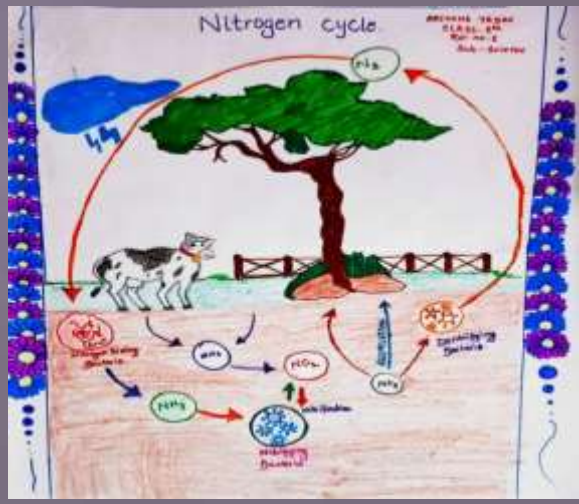

आपके पेंटिग भाग 3

आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़ कैमूर

UMS खजरा मोहनियां

मध्य विद्यालय अखलासपुर भभुआ कैमूर

कविता

✍कलम की ताकत

कलम की ताकत को मानता है संसार।
कलम की ताकत के आगे हार जाता है तलवार।।

भले ही जंग में चमकती है तलवार।
अंत में नफरत को खत्म करती है प्यार।।

एक तलवार से उजड़ जाते घर सैकड़ों हजार।
पर एक कलम से आबाद होते है हर एक घर -परिवार।।

भला कौन भूल सकता है अशोक राजा था महान।
जिसने युद्ध में रक्तपात को देख फेंक दिए तलवार।।

जिसने भी थामा दामन शिक्षा का उठा कलम,खुले
उनके उन्नति का द्वार।
वो ही आगे जा कर बनते है महान, तेज़ और
होशियार।।

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ कैमूर

ज्ञान दायिनी

हे ज्ञान दायिनी,
अबोध बालक पुकारे।
बसंत पंचमी को आ जा,
हमें दर्शन करा जा।।

मुझमें विद्या का ज्ञान भरदें,
मेरा काया कल्प करदे।
अपनी कृपा की ज्योती,
मां मुझपें कर दे।।

हमें इतना शक्ति दे,
दुसरो के काम आएं।
दीन दुखियों की सेवा में,
अपनी हाथ बटाएं।।

कर्तव्य पथ पर चलकर,
अपनी लक्ष्य को सफल बनाएं।
सत्यता की पहचान कर,
जीवन सुखमय बनाएं।।

विद्या का प्रसार कर,
ज्ञान का दीप जलाएं।
मेरे अंतर्निहित ज्ञान,
सभी के काम में आएं।।

बनें हम उपकारी,
दुसरो के काम आएं।
दीन दुखियों को दान कर,
दानवीर कहलाएं।।

आरजू मेरा है,
मुझपर उपकार करना।
अपनी आशीर्वाद मां,
मेरे सिर पर रखना।।

अशोक कुमार
न्यू प्राथमिक विद्यालय भटवलिया
नुआंव कैमूर

तुम उसे बस पढ़ लेने दो ।

आंगन में पायल की छन-छन,
फूलों की मुस्कान है बेटी ।
तुलसी की पावनता है वह,
कोयल की मधुगान है बेटी। ।

बहुत बड़ा संघर्ष है उसका,
दो कुलों का मान है बेटी।
एक कुल का स्वाभिमान तो,
दूजे का सम्मान है बेटी। ।

तोड़ो नहीं डाली से उसको ,
कली है उसको खिल जाने दो।
कल-कल धार वह सरिता की,
सागर में उसको मिल जाने दो। ।

खिलखिलाती बिटिया की,
हँसी-खुशी आरक्षित कर दो।
मोल चुकाओ, इतना कर दो,
उसको अच्छा शिक्षित कर दो।।

सबसे सच्चा, सबसे अच्छा,
धन ,बस शिक्षा का अर्जन है।
बेटियाँ हों शिक्षित क्योंकि,
नारी समाज का दर्पण है। ।

छू लेने दो क्षितिज उसे ,
और हिमालय चढ़ लेने दो।
जितना चाहे, जो भी चाहे ,
तुम उसे बस पढ़ लेने दो। ।

कुमार राकेश मणि
प्रभारी प्रधानाध्यापक
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा
नुआंव कैमूर

कविता

योग बिना जीवन बेकार 🧘

युग-युग की यही पुकार, योग बिना जीवन बेकार।

जो नहीं योग करता, दिन-प्रतिदिन रोग गढ़ता।
मोटापा, बीपी, शुगर, इससे वह नही बचता।।

समय मिले न घड़ी चार, नित करे दस सूर्य नमस्कार।
युग- युग की यही पुकार, योग बिना जीवन बेकार।।

रक्त का करता शुद्धि, बढ़ती इससे सद्बुद्धि।
मस्तिष्क को स्वस्थ बनाता, होती आयुवृद्धि।।

राज, कर्म, भक्ति, ज्ञान, होते इसके चार प्रकार।
युग- युग की यही पुकार, योग बिना जीवन बेकार।।

वैद्य, हकीम पास न आये, तन में स्फूर्ति लाये।
मन को एकाग्र बनाये, आलस्य दूर भगाये।।

आत्मा से करवाता, परमात्मा का दीदार।।
युग- युग की यही पुकार, योग बिना जीवन बेकार।।

शशिकान्त वर्मा
प्रा० वि० रामपुर, भभुआ- कैमूर

सावन की तैयारी

हरे भरे सावन की आशा,
मन में मेरी है अभिलाषा|
मन में है मन पुष्प खिले,
अबकी बार जो मनमीत मिले।
मिलजुल कर वृक्ष लगाएंगे,
धरती को स्वर्ग बनाएंगे |
जलधर से मांगूंगी जलधार ,
जिससे हो जाए सपना साकार|
कीचड़ में मैं ना डरती हूं,
नदी पार मैं करती हूं|
बाधा विध्न बहुतेरे है,
फिर भी सपने कुछ मेरे हैं |
धरती को खुशहाल बनाएंगे,
तभी तो सब सुखी रह पाएंगे।
हे भगवन वर्षा कर दो,
नदी ताल पोखर भर दो |
देखो सुखा ना पड़ जाए,
मैया भूखी ना रह जाए|
तो सावन राजा जल्दी आओ,
उम्मीदें पूरी कर जाओ ।
तुमसे है अब विनती मेरी,
जन-जन को सुखी बनाओ।

खुशबू कुमारी
उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा
भभुआ कैमूर बिहार

कहानी

बात बन गई।

एक दिन बाजार से थैले के साथ घर आते समय प्रियंका के पीछे चार से पांच कुत्ते भौंकने लगे।प्रियंका डर कर भागी तो वो भी उनके पीछे पड़ गए।हिम्मत करके प्रियंका ने एक पत्थर उठा कुत्ते की तरफ दिखाया तो कुत्ते भौंकते हुए भाग गए।प्रियंका बहुत थक गई थी और भागते समय चोट लगने से उसका पैर भी चोटिल हो गया था।घर जा कर उसने यह बात अपने परिवार वालों को भी बताई।घर वाले बोले की नगर परिषद वाले लोग आवारा कुत्तों और पशुओं को बाहर छोड़ते है फिर भी पता नहीं कैसे ये शहर में वापस आ जाते है।

अगले दिन प्रियंका जब स्कूल जाने वाली थी तो अपने दादाजी को चिड़ियों के लिए दाना पानी रख रहे थे।प्रियंका ने छत पर से नीचे देखा तो पाया की एक दूध वाले को कुत्ते भौंक कर पीछा कर रहे थे।प्रियंका ने सोचा की शायद भूख लगने की वजह से ये कुत्ते भौंक रहे हो ।

उसने अपने दादाजी से कहा की क्यों ना हम एक इन कुत्तों के लिए भी खाने और पीने की कुछ जगहों पर व्यवस्था कर एक प्रयोग करे।दादाजी को प्रियंका का सुझाव अच्छा लगा और उन्होंने कुछ खास जगहों पर कुत्तों के खाने और पीने की व्यवस्था कर दी।

प्रियंका जब अपने स्कूल से वापस आ रही थी तो उसे हमेशा की तरह कुत्तों के भौंकने का शोर सुनाई नही दे रहा था।रास्ते में उसने देखा की कुछ कुत्ते खाने और पीने में लगे थे तो कुछ खा कर आराम कर रहे है।घर आने पर दादाजी ने प्रियंका से कहा की बेटा आज तुम्हारे इस प्रयोग की वजह से बात बन गई ।पूरा मुहल्ला खुश हो कर प्रियंका को धन्यवाद दे रहे थे।स्रोत:-सोशल मीडिया

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 1)

राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय भभुआ

मध्य विद्यालय बरहुली

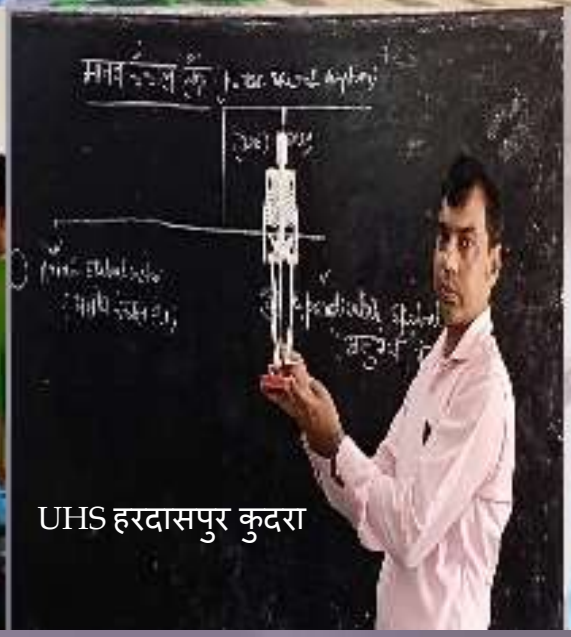

UHS हरदासपुर कुदरा

UMS सिलौटा भभुआ

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 2)

मध्य विद्यालय बरहुली भभुआ

UMS दुघरा भभुआ

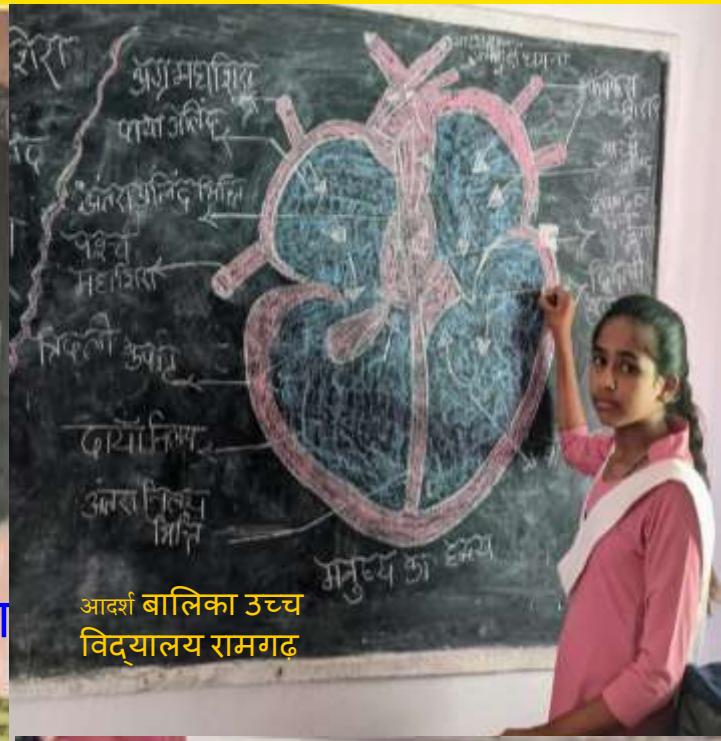
आदर्श बालिका उच्च
विद्यालय रामगढ़

UHS कोटा नुआंव

प्राथमिक विद्यालय कठौरा

UMS गजराढी कुदरा

T.L.M. द्वारा शिक्षण भाग :- 7

ठीक पहले वाली और ठीक बाद वाली संख्या

इस T.L.M. के माध्यम से बच्चे आसानी से ठीक बाद वाली संख्या एवं पहले वाली संख्या का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। यह रोचकता के साथ-साथ गणितीय अवधारणाओं को सीखने में लाभप्रद होगा।यह T.L.M. बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी कक्षा में लागू किया जा सकता है। इसके माध्यम से बच्चे आसानी से खेल-खेल में गणितीय अवधारणा ठीक बाद वाली संख्या एवं पहले वाली संख्या के बारे में जान सकते हैं। यह T.L.M. पूर्णत: शून्य निवेश पर आधारित हैं।इसके निर्माण मे रद्दी कूट, सलाई की खाली डिब्बी, मार्कर, गोंद का प्रयोग किया गया है। यह सभी सामग्री आसानी से बच्चों को उपलब्ध हो जाएगी।

योजना -गणितीय अवधारणा ठीक बाद वाली संख्या एवं पहले वाली संख्या बताने के लिए स्वनिर्मित टी एल एम का निर्माण किया गया।यह बहुत ही सुंदर आकर्षित है। इस T.L.M. का प्रदर्शन वर्ग कक्ष में बच्चों के समक्ष करने पर सभी बच्चे इस स्वत: करके सुखद माहौल में सीखते है।

T.L.M. निर्माणकर्ता :-अशोक कुमार
N.P.S. भटवलिया नुआंव कैमूर

STUDENT OF THE MONTH

नाम :- अदिति कुमारी
वर्ग :-7
विद्यालय :- मध्य विद्यालय अखलासपुर ,प्रखंड :- भभुआ , जिला :- कैमूर
उपलब्धि :- आकर्षक,ज्ञानवर्धक और सामाजिक कुरीतियों पर पेंटिंग।विद्यालय में पढ़ाई के साथ कला केंद्रित गतिविधि में सक्रिय भूमिका।

TEACHER OF THE MONTH

नाम :- आभा गोयल
पद :- स्नातक संस्कृत शिक्षिका
विद्यालय :- मध्य विद्यालय बरहुली, प्रखंड भभुआ,जिला कैमूर
उपलब्धि :- संस्कृत विषय में रोचकता लाने हेतु T.L.M. निर्माण।रोचकता के साथ सरल तरीके से बच्चों को संस्कृत पढ़ाना।बच्चो से शून्य निवेश में T.L.M. निर्माण करवाते हुए विद्यालय में अपनी सक्रिय भागीदारी।

बाल बिहार

बिहार के अन्य जिलों से भी प्राप्त हो रही है बच्चों की प्रतिभा

खुद को परखे (सामान्य ज्ञान)

1.भारत के किस राज्य में सूर्य सबसे पहले निकलता है?
2.OMR का फुलफार्म क्या है?
3.श्रीलंका की राजधानी कहां है ?
4.प्रथम विश्व युद्ध कब शुरू हुआ था?
5.बिहार के किस स्थान पर ग्लास ब्रिज है ?
6.कैमूर के किस शहर को ग्रीन सिटी भी कहते है?
7.चिपको आंदोलन की शुरुआत किसने की?
8.कैमूर के वर्तमान जिला शिक्षा पदाधिकारी का क्या नाम है?
9."करो या मरो " का नारा किसने दिया?
10.एक पंचभुज के सभी कोणों का योग कितना होता है ?

सबसे पहले सही उत्तर को भेजने वाले विद्यार्थी का नाम और विद्यालय का नाम पत्रिका के अगले अंक में प्रकाशित की जाएगी।

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाईल नंबर 9431680675 पर दे सकते है।

विजेता का नाम:- फुरकान आलम
वर्ग:- 9
विद्यालय :- उच्च विद्यालय भभुआ (कैमूर)